(3)

(1)

न्यायालय माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ बिलासपुर छ0ग0

डब्लू पी0नंबर 1345/2002

तहसील अभिभाषक संघ,चांपा
व्दाराः-नरेशधर दीवान,अध्यक्ष
तहसील अभिभाषक,संघ,चांपा
जिला जांजगीर चांपा छ0ग0----------याचिकाकर्ता

बनाम

1-भारत सरकार,व्दारा सचिव
पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय,
नई दिल्ली
2-छत्तीसगढ़ शासन व्दारा मुख्य सचिव
मुख्यमंत्री सचिवालय,डी0के0भवन,रायपुर
3-छत्तीसगढ़ शासन, व्दारा सचिव,
राजस्व मंत्रालय,छत्तीसगढ़ शासन,डी0के0भवन,रायपुर छ0ग0
4-छत्तीसगढ़ शासन व्दारा सचिव,
पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय,
छत्तीसगढ़ शासन,डी0के0भवन,रायपुर छ0ग0
5-जिलाधीश,
जांजगीर चांपा छ0ग0
6-मुख्य कार्यपालन अधिकारी,जनपद पंचायत,चांपा
कार्यालय बम्हनीडीह तहसील चांपा छ0ग0----------उत्तरवादीगण

P. R. No. 1342/12
Received by Shri Agnumem Agrawal
dated 05.10.12

परमादेश याचिका (WRIT PETITION) अन्तर्गत अनुच्छेद 226/227भारत का संविधान

XI-HC-22

उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर

(50)

आदेश पत्रक

W.P. NO. 1345/2002

मामला क्रमांक ..... सन् 200

..... विरुद्ध .....

आदेश का दिनांक आदेश क्रमांक सहित	आदेश हस्ताक्षर सहित	कार्यालयीन मामलों में डिप्टी रजिस्ट्रार के अन्तिम आदेश

14/08/2002

Shri Hanuman Agarwal, counsels for the petitioner.

Shri P. Shrivastava appears on behalf of Shri A.S. Gaharwal, counsel for the respondent no.1.

Dr.N.K. Shukla, Additional Advocate General with Shri Ranbir Singh, GA for respondent no.2 to 6.

Shri Sunil Sinha, counsel for she Intervener.

Heard.

By way of this writ petition, the petitioner has challenged the creation of Bamhnidi Tehsil. According to the petitioner, since the provisions contained in Section 13 of Chhattisgarh Land Revenue Code, 1959, have not been complied with the action in notifying constituting or creation of a new Tehsil is not proper.

On the basis of instructions received it is stated by learned Additional Advocate General that it is a fact that the provisions of Section 13 of Chhattisgarh Land Revenue Code, 1959, have not been complied with. It is further stated that neither a notification regarding creation of a new Tahsil has been issued nor is there any question of "inaugurating the same" at this stage.

In the above view of the matter, nothing further needs to be done in this writ petition, which stands disposed of.

Sd/-
P.C NAIK
Judge

Ref.

पीछे देखिये